Series : S2RPQ

**SET-3**

प्रश्न-पत्र कोड **2/2/3**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

{}

**नोट :**

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं ।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

# हिन्दी (आधार)
# HINDI (Core)

*निर्धारित समय : 3 घण्टे* — *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए :

*(i)* *यह प्रश्न-पत्र तीन खंडों में विभाजित है ।*

*(ii)* ***खंड – क*** *में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं ।* ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

*(iii)* ***खंड – ख*** *में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

*(iv)* ***खंड – ग*** *में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।*

*(v)* *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।*

*(vi)* *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।*

## खंड – क

## (अपठित बोध) **(18)**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **10**

लेखक और प्रकाशक एक-दूसरे के पूरक होते हैं । यदि प्रकाशक नहीं हों, तो लेखकों की कृतियों को लोक-लोचन के सम्मुख प्रस्तुत कौन करेगा और यदि लेखक नहीं हों, तो प्रकाशन के व्यवसाय की शुरुआत कैसे हो, प्रकाशक का जन्म ही कहाँ से हो ?

यह सत्य है कि मूल लेखक है और प्रकाशक उसका तना है, लेकिन तने के विस्तार को सब लोग देखते हैं और मूल की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता । वह तो अधिकतर भूमिष्ठ ही रहता है । प्रकाशक की अट्टालिका, मोटर, शानशौकत अब सभी प्रमुख नगरों में हम देख सकते हैं । पर बेचारे लेखक को हम ढूँढने से ही पा सकते हैं ।

इस स्वाभाविक स्थिति की विषमता लेखक और प्रकाशक के पारस्परिक सम्बन्धों में तनाव पैदा करती है । मूल और तने के बीच का तनाव कभी सुफल नहीं ला सकता । इस विषम स्थिति से निकलने के लिए दोनों को यह सोचना होगा कि सामंजस्य कैसे स्थापित हो ?

सोचना इसलिए भी जरूरी है कि कुछ लोग इस तनाव को बढ़ाने की ही दिशा में काम करते नज़र आ रहे हैं । वे लेखक से कहते हैं, देखो, तुम्हारा कितना शोषण हो रहा है, ये प्रकाशक जोंक हैं जोंक । इनसे बचो । और प्रकाशक से कहा जाता है, अजी साहब, इस लेखक को जानता कौन था ? यह तो आप हैं, जिसने इसे आसमान पर चढ़ाया !

तनाव बढ़ता जा रहा है । दोनों की हानि हो रही है । यह तनाव दोनों को चौपट कर सकता है । अत: इस पर चिंतन करना अनिवार्य है ।

(i) लेखक और प्रकाशक के बीच परस्पर कैसा संबंध है ? 1

- (A) फूल और पत्ते जैसा
- (B) मूल और तने जैसा
- (C) फल और शाखा जैसा
- (D) कली और फूल जैसा

(ii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक और प्रकाशक के बीच किस प्रकार का संबंध बताया गया है ? 1

- (A) परस्पर सहयोग का
- (B) पारस्परिक प्रतिस्पर्धा का
- (C) पारस्परिक प्रेम का
- (D) पारस्परिक तनाव का

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : 1

**कथन :** प्रकाशक की स्थिति लेखक से अधिक स्पष्ट है ।

**कारण :** लेखक को ढूँढना कठिन है जबकि प्रकाशक की भौतिक समृद्धि आसानी से दिखती है ।

**विकल्प :**

(A) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

(B) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता ।

(C) कथन सही है, कारण गलत है ।

(D) कथन गलत है, कारण सही है ।

(iv) गद्यांश के अनुसार 'वह तो अधिकतर भूमिष्ठ ही रहता है' – कौन भूमिष्ठ रहता है और क्यों ? 1

(v) लेखक और प्रकाशक दोनों कैसे एक-दूसरे के पूरक हैं ? किन्हीं दो तर्कों द्वारा पुष्टि कीजिए । 2

(vi) लेखक और प्रकाशक के बीच संबंधों में सुधार किस प्रकार आ सकता है ? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए । 2

(vii) लेखक और प्रकाशक के संबंधों में दूरी बढ़ने के क्या कारण हैं ? इस दूरी के बढ़ने से क्या हानि हो रही है ? 2

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8

जो नहीं हो सके पूर्ण–काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम
कुछ कुंठित औ' कुछ लक्ष्य–भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए;
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त तूणीर हुए !
– उनको प्रणाम !

जो छोटी–सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि–पार;
मन की मन में ही रही, स्वयं
हो गए उसी में निराकार !
– उनको प्रणाम !

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह–रह नव–नव उत्साह भरे;
पर कुछ ने ले ली हिम–समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे !
– उनको प्रणाम !

एकाकी और अकिंचन हो
जो भू–परिक्रमा को निकले;
हो गए पंगु, प्रति–पद जिनके
इतने अदृष्ट के दाव चले !
– उनको प्रणाम !

कृत-कृत्य नहीं जो हो पाए;
प्रत्युत फाँसी पर गए झूल
कुछ ही दिन बीते हैं, फिर भी
यह दुनिया जिनको गई भूल
          – उनको प्रणाम !

(i) 'रिक्त तूणीर' होने का अभिप्राय है – 1

(A) अनुभवहीन (B) विफल

(C) कुंठित (D) साधनहीन

(ii) काव्यांश में 'हिम समाधि' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ? 1

(A) बर्फीले प्रदेश के कष्टों को झेलना (B) बर्फ के नीचे दबकर मर जाना

(C) बर्फ जैसी श्वेत समाधि बनाना (D) बर्फ का ऊँचा शिखर चढ़ना

(iii) 'छोटी-सी नैया' और 'उदधि-पार' का प्रतीकार्थ है – 1

(A) छोटी नाव, विशाल सागर (B) सीमित साधन, विशाल लक्ष्य

(C) कम मेहनत, अधिक सफलता (D) छोटी नौका, बड़ा जहाज

(iv) कवि किन लोगों को प्रणाम कर रहा है ? 1

(v) 'हो गए उसी में निराकार' कथन का क्या तात्पर्य है ? काव्यांश के आधार पर लिखिए। 2

(vi) कवि के अनुसार प्रतिकूल परिस्थितियों में संघर्ष करने के बाद भी दुनिया उन लोगों को क्यों भूल गई ? 2

## खंड – ख

**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)** **(22)**

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **80** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(i) "परंपरागत विषयों के बजाए नए विषयों पर लिखने का अभ्यास करने से अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का पूरा लाभ मिलता है ।" – कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

(ii) कहानी के संवादों का नाट्य रूपांतरण करते समय नाटक के संवादों की विशेषताएँ लिखिए ।

(iii) रेडियो नाटक की अवधि छोटी तथा पात्र संख्या कम क्यों होती है ? कारण सहित स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **4 × 2 = 8**

(i) अखबार या पत्रिका के प्रकाशन के संदर्भ में 'डेडलाइन' से क्या आशय है ?

(ii) ड्राई एंकर किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'हिन्दी वेब पत्रकारिता अभी शैशवकाल में है' – कैसे ? उल्लेख कीजिए ।

(iv) समाचार पत्र–पत्रिकाओं में विश्लेषणात्मक रिपोर्ट क्यों तैयार की जाती है ?

(v) 'एक पत्रकार की विशेषज्ञता उसके सूत्रों व स्रोतों पर भी निर्भर करती है ।' – कैसे ?

5. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **6**

(i) वर्तमान जीवन शैली और स्वास्थ्य

(ii) स्कूल के बाहर स्टेशनरी की दुकान

(iii) शिक्षा के क्षेत्र में ए.आई. के बढ़ते चरण

## खंड – ग

**(पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)** **(40)**

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) 'छाई है घटा गगन में हलकी–हलकी' 'रुबाइयाँ ' में कवि ने इस पंक्ति का प्रयोग किस संदर्भ में किया है ? 'घटा' का बहन से क्या संबंध है ?

(ii) उषा का जादू कैसा है ? यह जादू किस प्रकार टूट रहा है ? 'उषा' कविता के आधार पर लिखिए ।

(iii) 'छोटा मेरा खेत' में वर्णित कविता की रचना प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए ।

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(i) "कविता एक खेल है बच्चों के बहाने" – कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ii) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता 'व्यावसायिक दबाव के अंतर्गत एक व्यक्ति की संवेदनशीलता का प्रकटीकरण है।' स्पष्ट कीजिए।

(iii) "माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ।" 'कवितावली' की इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

तिरती है समीर–सागर पर

अस्थिर सुख पर दुख की छाया –

जग के दग्ध हृदय पर

निर्दय विप्लव की प्लावित माया –

यह तेरी रण–तरी

भरी आकांक्षाओं से,

घन, भेरी–गर्जन से सजग सुप्त अंकुर

उर में पृथ्वी के, आशाओं से

नवजीवन की, ऊँचा कर सिर,

ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल !

(i) पृथ्वी में सोए हुए अंकुरों पर किसका प्रभाव पड़ता है ?

(A) बादलों के गरजने का

(B) बिजली के कड़कने का

(C) पृथ्वी की आशाओं का

(D) झरनों के गिरने का

(ii) प्रस्तुत काव्यांश में कवि बादलों के विप्लवकारी रूप का आह्वान क्यों कर रहा है ?

(A) वातावरण को ठंडक देने के लिए

(B) क्रांति लाने के लिए

(C) वर्षा करने के लिए

(D) बादलों को देखने के लिए

(iii) 'सुप्त अंकुर' का प्रयोग किस भावना/प्रक्रिया को प्रकट करता है ?

(A) आलस्य और निराशा

(B) सोई हुई आशाएँ व संभावनाएँ

(C) बीज के समाप्त होने की प्रक्रिया

(D) अंकुरित बीज के न बढ़ने की प्रक्रिया

(iv) 'प्लावित माया' को किस संदर्भ में प्रयुक्त किया गया है ?

(A) शोषक वर्ग की धन-संपत्ति के रूप में

(B) जल प्रलय के वर्णन के रूप में

(C) वर्षा के कारण आप्लावित नदी के रूप में

(D) शोषण रूपी अग्नि के रूप में

(v) 'घन, भेरी-गर्जन' से कवि ने किसका बोध कराया है ?

(A) आकाश में बादलों का मधुर संगीत

(B) युद्ध व क्रांति के लिए प्रेरित करने वाली गर्जना

(C) समुद्र की लहरों का संगीत

(D) युद्ध में बजने वाले नगाड़ों की आवाज

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2 × 3 = 6**

(i) "बाज़ार में एक जादू है ।" इस कथन का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि इस जादू का सर्वाधिक असर कब होता है ?

(ii) 'दंगल के दृश्य' से लेखक का क्या अभिप्राय है ? इस दृश्य का लोगों पर किस तरह का प्रभाव पड़ता था ? 'पहलवान की ढोलक' कहानी के आधार पर लिखिए ।

(iii) 'पैतृक पेशे' से क्या अभिप्राय है ? 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

10. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए : **5 × 1 = 5**

कालिदास सौंदर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे, दुख हो कि सुख, वे अपना भाव-रस उस अनासक्त कृषीवल की भाँति खींच लेते थे जो निर्दलित ईक्षुदंड से रस निकाल लेता है । कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके थे । कुछ इसी श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिंदी कवि सुमित्रानंदन पंत में है । कविवर रवींद्रनाथ में यह अनासक्ति थी । एक जगह उन्होंने लिखा – 'राजोद्यान का सिंहद्वार कितना ही अभ्रभेदी क्यों न हो, उसकी शिल्पकला कितनी ही सुंदर क्यों न हो, वह यह नहीं कहता कि हममें आकर ही सारा रास्ता समाप्त हो गया । असल गंतव्य स्थान उसे अतिक्रम करने के बाद ही है, यही बताना उसका कर्त्तव्य है ।' फूल हो या पेड़, वह अपने-आप में समाप्त नहीं है । वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए उठी हुई अँगुली है । वह इशारा है ।

(i) इस गद्यांश में किस प्रकार की अनासक्ति की बात की गई है ?

(A) सांसारिक सुखों से दूर रहने की

(B) भाव-रसों को अनासक्त रूप से ग्रहण करने की

(C) दुखद दृश्यों से दूर रहने की

(D) सौंदर्य के बाहरी आवरण से प्रभावित होने की

(ii) 'राजोद्यान का सिंहद्वार' का उदाहरण देकर क्या समझाने का प्रयास किया गया है ?

(A) राजद्वार होने के कारण वह द्वार ही सब कुछ है ।

(B) वह द्वार इतना मजबूत है कि आसानी से तोड़ा नहीं जा सकता ।

(C) बाह्य सौंदर्य के मोह से बचते हुए आंतरिक सौंदर्य को महत्त्व देना ।

(D) अभ्रभेदी होने के कारण द्वार के पार नहीं जाया जा सकता ।

(iii) कालिदास की सौन्दर्य-दृष्टि कैसी थी ?

(A) स्थूल और बाहरी

(B) सूक्ष्म और संपूर्ण

(C) अतिक्रम और अभ्रभेदी

(D) अशक्त और निर्दलित

(iv) 'फूल हो या पेड़, वह अपने-आप में समाप्त नहीं है' – सिद्धांत से क्या अभिप्राय है ?

(A) वे प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाते हैं ।

(B) वे मनुष्य के जीवन से संबंधित हैं ।

(C) वे जीवन के असल प्रतीक हैं ।

(D) वे स्वयं में अंतिम नहीं होते हैं ।

(v) गद्यांश के संदर्भ में 'निर्दलित ईक्षुदंड से रस निकालने से' क्या अभिप्राय है ?

(A) सूखे हुए गन्ने से भी रस प्राप्त करना ।

(B) सामान्य वस्तु में भी सौंदर्य देखना ।

(C) असंभव को भी संभव बनाना ।

(D) वस्तु/व्यक्ति के भीतरी भाव-सौंदर्य को पहचानना ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2 × 2 = 4**

(i) 'पानी की बुवाई' से जीजी का क्या अभिप्राय था ? 'काले मेघा पानी दे' पाठ के संदर्भ में लिखिए ।

(ii) 'भक्तिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि भक्तिन की निष्ठा और सेवा–भाव आज की जीवन–स्थितियों में भी प्रेरणादायक हो सकते हैं ?

(iii) बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर करती है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में लिखिए : **2 × 5 = 10**

(i) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के पारिवारिक मूल्यों तथा आधुनिकता के बीच के संघर्ष को दर्शाते हुए समाज में वरिष्ठ नागरिकों की स्थिति पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'जूझ कहानी आधुनिक युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा-स्रोत है ।' – कैसे ? उदाहरण से स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु घाटी के दौर के व्यापार और खेती व्यवस्था की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए ।